हरिभूमि - कांकेर भूमि

रायपुर, शनिवार, 12 जुलाई 2025

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गुकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

12 इरेचुवा मार्ग का हाल खस्ता, कीचड़, गड्ढे और ...

12 शासकीय कामकाज को सुगम, पारदर्शी बनाने...

मौसम: दस दिनों बाद आज निकला सूर्य, दिनभर रही धूप

खरीफ फसल के बोआई कार्य में आई तेजी, किसानों को मिल रहा उर्वरक पर डीएपी का संकट बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

दस दिनों से लगातार बारिश के बाद आज शुक्रवार को सूर्य भगवान निकले और दिनभर धूप रही। मानसूनी बारिश के बाद

■ किसानों का कहना है कि अधिकारी एनपीके डालने की सलाह दे रहे, परंतु डीएपी बिना खेती संभव नहीं

खरीफ फसल बुआई के काम ने जोर पकड़ रहा है। किसानों की ओर से इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है। खाद और उर्वरकों का समितियों से उठाव लगभग हो चुका है। कई किसान अभी भी उठाव कर रहे है। कृषि विभाग के अधिकारी किसानों को डीएपी खाद की कमी के कारण एनपीके और एसएसपी खाद का छिड़काव करने की सलाह दे रहे है।

जून के अंत तक वर्षा में हुई कमी से खेत सूखने लगे थे और किसानों की चिंता बढ़ रही थी। परंतु जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू हुई लगातार बारिश ने फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा कर दी हैं। जलभराव और मिट्टी में नमी की मात्रा बढ़ने से न केवल रोपाई का कार्य तेज़ी से हुआ है, बल्कि फसल की शुरुआती बढ़वार भी अच्छी देखी जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगर इसी तरह मौसमी स्थिति बनी रही, तो इस वर्ष खरीफ फसलों का उत्पादन सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है। साथ ही उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि वे जल प्रबंधन और फसल की निगरानी पर विशेष ध्यान दें। इस वर्ष मानसून के बेहतर प्रदर्शन से न केवल कृषि क्षेत्र को संबल मिलेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। समितियों में खाद का भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कई समितियों में एनपीके और एसएसपी की मात्रा कम होने पर मांग के अनुरूप उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं। कृषि और सहकारिता विभाग द्वारा खाद के वितरण की मानिटरिंग की जा रही है। किसानों को सुगमता पूर्वक खाद का वितरण सोसाइटी और निजी विक्रेताओं द्वारा किया जा रहा है। इस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा खाद बीज वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

जिले में भंडारण एवं समितियों में उर्वरक की स्थिति

जिले में उर्वरक की स्थिति पर नजर डाली जाएं तो खरीफ फसल के लिए इस बार यूरिया का 15600 मैट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से समितियों में 7814 मैट्रिक टन का भंडारण हो चुका है, वहीं 7493 मैट्रिक टन विक्रय भी हो चुका है। डीएपी का 7000 मैट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें समितियों में 2575 मैट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। समितियों से 2200 मैट्रिक टन का विक्रय किया जा चुका है। पोटाश का 3720 मैट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें समितियों में 2682 मैट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। समितियों से 2432 मैट्रिक टन का विक्रय किया जा चुका है। सुपर फास्फेट का 6500 मैट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें समितियों में 4870 मैट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। समितियों से 3491 मैट्रिक टन का विक्रय किया जा चुका है। एनपीके का 6410 मैट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें समितियों में 4267 मैट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। समितियों से 4212 मैट्रिक टन का विक्रय किया जा चुका है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक दे रहे हैं सलाह

कृषि विज्ञान केंद्र कांकेर के वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे वर्षा का पूरा लाभ उठाते हुए समय पर फसल सुरक्षा उपाय अपनाएं। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश अच्छी हो चुकी है और मौसम खुल चुका है। सभी कार्य समय पर करके बेहतर उत्पादन का लाभ किसान उठा सकते है। इस बार जिले में खरीफ सीजन ऐतिहासिक हो सकता है।

गुणवत्ता की जांच में नमूने फेल पाए गए

कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए बीज, खाद और कीटनाशक औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में करवाया गया। इस खरीफ सीजन में बीज के 195 नमूने और उर्वरक के 150 नमूनों को गुणवत्ता जांच के लिए लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य के विरूद्ध अब तक बीज के 195 और उर्वरक के 64 नमूने लिए गए हैं, जिसे जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में प्रीक्षण कराया गया जिसमें बीज के 63 नमूनो की रिपोर्ट आई है, जिसमें 04 नमूने अमानक पाए गए। इसी तरह उर्वरक के जाँच के लिए भेजे गए 64 नमूने में से 24 की रिपोर्ट आई, जिसमें 02 नमूने अमानक पाए गए।

खबर संक्षेप

सिरसिदा से कावड़ यात्रा के लिए शिव भक्त हुए रवाना

चारामा। सावन माह के शुरू होते ही शिव भक्ति शिव मंदिरों में पहुंचकर भगवान शंकर का जलाभिषेक करने लगे। ग्राम सिरसिदा में शिव भक्त घना राम साहू, वासुदेव साहू, रेखराम साहू, धर्मेंद्र साहू, अजय साहू, रेमन साहू एवं विष्णु साहू को कांवड़ यात्रा के लिए रवाना किया गया। ग्राम प्रमुख एवं समाज सेवक कन्हैया सिंह ठाकुर, यादो राम साहू, भूषण साहू के द्वारा हरि झड़ी दिखाकर सभी शिव भक्तों को रवाना किया गया। कांवड़ यात्रियों ने बताया कि सुल्तान गंज गंगा नदी से पावन जल लेकर बाबा बैजनाथधाम देवघर शिव मंदिर में भगवान रुद्र शंकर का जलाभिषेक करेंगे।

मां के नाम पर किया गया पौधारोपण

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोदल अंतर्गत ग्राम पंचायत गुदुम के आश्रित ग्राम फितेफुलचुर के प्राथमिक शाला में एक पेड़ मां के नाम पर 11 जुलाई को पौधा रोपण ग्रामवासियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। पौधा रोपण पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन विकास पर्यावरण, संतुलन, जल स्त्रोत वायु प्रदूषण के तहत वृक्षारोपण किया गया, जिसमें आम, नींबू, कटहल, पपीता, इमली, कुसुम, सीताफल के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर वार्ड पंच रामशिला पुड़ो, सीताबाई मंडावी, रघुवर तेता, घनश्याम चंद्रवंशी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्रामवासी व छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

पटौद में धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

कांकेर। स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय पटौद में गुरु पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्गा साहू के द्वारा गुरु वंदना की प्रस्तुति से किया गया। प्राचार्य डीएस निषाद ने अपने प्रथम गुरु माता पिता का सदैव चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने एवं गुरुओं के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखकर उनके बताए मार्ग का अनुसरण करने को कहा। जीवन में सफलता केवल किताबी ज्ञान से नहीं बल्कि एक सच्चे गुरु के मार्गदर्शन से ही मिलता है। कार्यक्रम में समस्त शाला परिवार, पालक गण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाजपाइयों ने मनाया गुरूपूर्णिमा का पर्व

भानुप्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल भानुप्रतापपुर द्वारा भी गुरु पूर्णिमा उत्सव विभिन्न क्षेत्रों में पारंगत गुरुओं के सम्मान के साथ मनाया गया जिसमें महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय भानुप्रतापपुर में खेल प्रशिक्षक रहे चंद्रिका प्रसाद ठाकुर एवं हाईस्कूल भानुप्रतापपुर से सेवानिवृत्त राम उईके, पशुओं की सेवा में योगदान देने वाले नरसिंह राव कदम, पोस्टमैन गौतम खैरकर शिक्षा के क्षेत्र में किरण श्रीवास्तव, सरला पांडे, तुलसीदेवी श्रीवास, युवराज भोयर, संबलपुर स्थित प्राचीन गणेश मंदिर के प्रतिष्ठित पुजारी लल्ला महाराज, सिरहा बैगा ईश्वर साहू को शॉल और श्री फल और मिठाई भेंट कर मनाया गया। मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्यार्थियों ने किया गुरुओं को नमन

दुर्गूकोंदल। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोण्डे में 11 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ एवं तिलक के माध्यम से गुरुओ का सम्मान किया तथा अपने भाव प्रकट किए। छात्र-छात्राओं ने गुरुओं के चरणों में पुष्प अर्पित कर उनके प्रति कृतज्ञता जताई। विद्यालय के प्राचार्य बाबुलाल कोमरे ने कहा कि गुरु कि भूमिका को जीवन निर्माण का आधार बताया और विद्यार्थियों से जीवन में सदैव गुरुओं का सम्मान बनाए रखने की प्रेरणा दी और सभ्यता संस्कृति में गुरुओ स्थान को सर्वोच्च प्रथम स्थान प्राप्त है। इस अवसर पर सभी शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने इस दिन को आत्मीयता और श्रद्धा से मनाया एवं गुरुओं से ▶▶| शेष पेज 10 पर

मध्यस्थता जनजागरूकता अभियान पर अधिवक्ता संघ की बैठक में तय हुई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए अधिवक्ता और न्यायाधीश के मध्य बैठक का अयोजन किया गया, जिसमें लंबित प्रकरणों को निराकरण को लेकर रणनीति तैयार किया गया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मीडियेशन एंड काउंसिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी नई दिल्ली के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 90 दिवसीय मध्यस्थता जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ 1 जुलाई को हुआ है और यह अभियान 7 अक्टूबर तक चलेगा। इसी अभियान के तहत कांकेर में 10 जुलाई को अधिवक्ता संघ के साथ आयोजित बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार ध्रुव ने अधिवक्ताओं के साथ मध्यस्थता की प्रक्रिया, उसके लाभों और लंबित वादों के शीघ्र निपटारे के लिए आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा किया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकरणों के समाधान के लिए बिंदुवार समय-सीमा निर्धारित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक मामलों का आपसी सहमति और सुलह के आधार पर निष्पादन संभव हो सके। इसके साथ ही अधिवक्ताओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का अव्हान किया गया।

बैठक में उपस्थित समस्त अधिवक्ताओं ने अभियान को सफल बनाने के लिए अपने पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा न्यायालयीन प्रणाली में मध्यस्थता को सहायक बताते हुए जनजागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विभा पांडे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शांति प्रभु जैन सहित अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष नरेंद्रदेव दवे एवं अधिवक्ता संघ के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पुसागांव में जोताई के दौरान पलटा ट्रैक्टर, चालक की हुई मौत

कांकेर। आमाबेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम पुसागांव में खेत की जोताई करने के दौरान ट्रैक्टर का चालक वाहन को लापरवाही पूर्वक चला रहा था, जिससे ट्रैक्टर खेत में पलट गया व उसमें दबने से चालक की दर्दनाक मौत हो गई।

शिकायत मिलने पर मर्ग कायम करते हुए विवेचना में लिया गया। थाना में शिकायत करने पहुंचे पुसागांव निवासी 26 वर्षीय प्रदीप कुमार सलाम पिता मोहन सलाम ने पुलिस को बताया कि खेती किसानी का काम करता हूं और 11 जुलाई की सुबह 11 बजें मेरे बड़े भैया प्रभुराम सलाम खेत में ट्रैक्टर क्रंमाक सीजी 19 बीजी 0258 को स्वयं चलाते हुए खेत की जोताई करने ले गए थे और खेत जोताई कर रहे थे। ट्रैक्टर को तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाने से ट्रैक्टर की मुण्डी पलट गया, जिससे ट्रैक्टर चालक प्रभूराम सलाम ट्रैक्टर के नीचे दब जाने से गंभीर चोट के कारण मौत हो गया। आसपड़ोस के किसानों ने घटना को देखा और मृतक के परिजनों को जानकारी दिया। मृतक के परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर की मुंडी को हटाकर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक को जाँच के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर मर्ग कायम कर शव का पीएम करवाकर शव को परिजनों को सौंपा। मृतक के छोटे भाई की शिकायत पर पुलिस ने वाहन क्रंमाक सीजी 19 बीजी 0258 के चालक प्रभूराम सलाम के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया गया।

पखांजुर राज्य राजमार्ग हो गया जर्जर मरम्मत और पुनर्निर्माण की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

पखांजूर राज्य राजमार्ग इस क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों की रीढ़ है। वर्तमान में अत्यंत जर्जर और असुरक्षित स्थिति में है। इस महत्वपूर्ण मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं और डामर पूरी तरह उखड़ चुका है, जिसके कारण इस सड़क पर आवागमन करना न केवल कठिन, बल्कि जानलेवा भी साबित हो रहा है।

■ गहरे गड्ढे और उखड़ा डामर, आर्थिक विकास और जनजीवन पर पड़ रहा सीधा असर

दुर्गूकोंदल-पखांजूर मार्ग क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी इलाकों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण राज्य राजमार्ग है। इस सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहनों को भारी नुकसान हो रहा है और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में गड्ढो में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे वाहन चालकों को सड़क पर गड्ढो का अनुमान लगाना तक मुश्किल हो जाता है। यह स्थिति न केवल आम जनता के लिए परेशानी का सबब बन रही है, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास और आपातकालीन सेवाओं, जैसे एम्बुलेंस और अग्निशमन वाहनों के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न कर रही है। जर्जर सड़क की जानकारी देते हुए जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल के जनपद सदस्य धनसाय हुरा ने कहा कि यह सड़क न केवल स्थानीय निवासियों, किसानों, व्यापारियों और स्कूली बच्चों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सांसद और विधायक जैसे जनप्रतिनिधि भी इस मार्ग से नियमित आवागमन करते है। इसके बावजूद सड़क की इस बदहाल स्थिति की ओर विभाग का ध्यान नहीं दिया जाना बेहद चिंताजनक है।

जनपद सदस्य ने क्षेत्र की जनता की ओर से राज्य सरकार, लोक निर्माण विभाग और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं। इस सड़क की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए बेहतर कदम उठाए जाने की ▶▶| शेष पेज 10 पर

मलेरिया के रोकथाम के लिए बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

दुर्गूकोंदल। महेंद्रपुर में स्वास्थ्य व स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मलेरिया से बचाव पर चर्चा किया गया और जागरूकता रैली भी निकाला गया। नारे के माध्यम से बच्चों ने लोगों के घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, खानपान पर विशेष ध्यान देने, मच्छरदानी के उपयोग के बारे में बताया। इसके साथ ही घर और हैंडपंपों के आसपास की गड्ढों पाटने की सलाह दी गई। जमा पानी में मिट्टी तेल डालकर मच्छर पनपने से रोकने के उपाय भी बताए गए। इस अवसर पर मितानिन नर्मिला, सलाम शशि उयके, सुमित्रा कोठारे सहित गांव के महिला व स्कूली बच्चे उपस्थित रहें।

सिहारी जलाशय डेंजर लेबर पर फिर भी नहीं छोड़ा जा रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम सिहारी जलाशय में चिन्हांकित स्थान से अधिक जल भराव होने के कारण किसान परेशान है। उनकी सुनने के लिए विभाग का अमला सामने नहीं आ रहा है।

सिहारी गांव के किसान विगत 15 साल से जल संसाधन विभाग से मांग करते आ रहे हैं कि जलाशय निर्माण के दौरान जो सर्वे हुआ है, इसी स्थान तक पानी जलाशय में भरा जाए। अतिरिक्त पानी को तत्काल खोल दिया जाए, ताकि किसानों की फसल चौपट ना हो। किसान सरजू, शिवलाल, बीरो सुजाता, जगनी, दीपक, झाड़ूराम ने बनाया बताया की पिछले वर्ष जल संसाधन विभाग अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भानुप्रतापपुर और जिला पंचायत सीईओ को आवेदन देकर जल भराव सीमा तक पानी भरने और सीमा से अधिक पानी भरने पर फसलों को क्षति ना हो। इसलिए गेट खोलकर अतिरिक्त पानी छोड़ने की मांग को लेकर आवेदन दिया गया था। जिला सीईओ, जल संसाधन विभाग अधिकारी, एसडीएम भानुप्रतापपुर ने आश्वासन दिया था कि निर्धारित सीमा से अधिक पानी जलाशय में नहीं भरेंगे। अतिरिक्त पानी भरने पर तुरंत गेट खोलकर पानी की निकासी करवाया जाएगा। लेकिन अधिकारियों के आश्वासन के बाद भी पिछले वर्ष भी पानी नहीं छोड़ा गया और इस वर्ष भी निर्धारित सीमा से अधिक जल भराव हो गया है। पानी छोड़ने का कोई प्रबंध नहीं किया गया है, जिससे हम सभी किसान परेशान हैं। विगत 15 सालों से हमारे खेतों के फसल चौपट होने से हमें आर्थिक क्षति हुई है। हम पिछले साल से सतर्क हो गए हैं कि हमारे खेतों की फसल जलाशय के पानी से क्षति ना हो, इस वर्ष भी कोई पहल नहीं हुई तो आंदोलन करने बाध्य होंगे।

■ खेत हुए लबालब किसान परेशान

विधायक आशाराम ने 63 लाख के सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

कुलगांव के ग्रामीणों को सड़क बन जाने से राहत मिलना तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिला मुख्यालय कांकेर की सीमा से लगे ग्राम कुलगांव के ग्रामीण सड़क नहीं होने से बारिश के समय बेहद परेशान होते थे और लंबे समय से सड़क की मांग करते आ रहे थे। विधायक आशाराम नेताम ने ग्रामीणों की दिक्कत को गंभीरता से लेते हुए सड़क के लिए प्रयास किया और सफलता मिली। सड़क बन जाने से आने वाले समय में ग्रामीणों को राहत मिलना तय है।

जानकारी के अनुसार ग्रामीण लंबें समय से राष्ट्रीय राजमार्ग से गांव तक डेढ़ किमी की सड़क को लेकर मांग करते आ रहे है। विधायक आशाराम नेताम चुनाव के दौरान कुलगांव पहुँचे थे, तब भी यह माँग ग्रामीणों ने किया था। ग्रामीणों ने विधायक को जिताया, वहीं उन्होंने ग्रामीणों की माँग को पूरा किया।

विधायक आशाराम नेताम 11 जुलाई को कुलगांव पहुँचकर गांव तक 63 लाख की लागत से बनने वाली डेढ़ किमी. सड़क को बनाने को लेकर भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि आपको लोगों की माँग पूरा हो गया है। गांव की हर समस्या हमारी है और हमें बताएं, उसको पूरा किया जाएगा। समय लग सकता है, परंतु गांव के हर व्यक्ति की समस्या का निदान जरूर होगा। यह विष्णुदेव साय की सरकार है, इस सरकार में हर काम होना तय है। इस सरकार ने जो वादा किया, उसे पूरा किया है। महिलाओं को लगातार एक हजार रूपएं मिल रहा है और अब महिला समूह को रेडी टू ईट का निर्माण करने का दायित्व भी सौंपा जा रहा है। सरकार ने चुनाव के समय जो भी घोषणा किया था, वे सभी काम धीरे धीरे पूरे होते जा रहे है। विधायक ने उपस्थित ठेकेदार को कहा कि यह कार्य गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, इसमें किसी भी तरह की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

ये रहे उपस्थित

भूमिपूजन के दौरान जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा कावड़े, सरपंच कन्या दुग्गा, पूर्व जनपद सदस्य ईश्वर कावड़े, प्रकाश चन्द्र निषाद, भाजपा शहर मंडल महामंत्री गिरधर यादव, चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ईश्वर सिन्हा और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

शिक्षक ने बेटे के जन्मदिन पर स्कूल में कराया न्योता भोज

कोण्डागांव। ग्राम बुनागाँव के जनपद प्राथमिक उच्च प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक दयाराम नेताम ने अपने पुत्र अर्पित नेताम के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराया। अर्पित नेताम स्वयं इसी विद्यालय में कक्षा 5वीं का छात्र है। जन्मदिन के इस अवसर को खास बनाते हुए बच्चों को स्वादिष्ट पूर्ण भोजन परोसा गया, जिसमें पुरी, मटर पनीर की सब्जी और मिठाई शामिल थी। बच्चों ने उत्साह और आनंद के साथ भोजन का आनंद लिया। न्योता भोजन शिक्षा विभाग की भागीदारी बढ़ाने की पहल संकुल समन्वयक धरम देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन न्योता भोजन योजना के अंतर्गत किया गया, जो छत्तीसगढ़ शासन की शिक्षा विभाग की एक सराहनीय पहल है। इसका उद्देश्य समुदाय, अभिभावकों और विद्यालय के बीच सहभागिता को बढ़ाना है। इस योजना के तहत विद्यालयों में महीने में एक या दो बार विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, त्योहार, वर्षगांठ, या राष्ट्रीय पर्वों पर सामुदायिक सदस्यों द्वारा बच्चों को स्वेच्छा से भोजन कराया जाता है।

शासकीय हाई स्कूल बालेंगा में धूमधाम से मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के विकासखंड बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बालेंगा स्थित शासकीय हाई स्कूल बालेंगा में दिनांक 10 जुलाई को शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्या की देवी माँ सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात विद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया।

पेज 9 के शेष

गुरु पूर्णिमा के...

आशीर्वाद प्राप्त कर विद्यार्थियों ने उनके सदैव मार्गदर्शक बने रहने की कामना की। मंचक लेखराम टांडिया ने गुरुवंदन कर हर संभव शिक्षको के प्रति आदर सम्मान अनुशासन बनाए रखने प्रेरित किया।

पखांजुर राज्य राजमार्ग...

आवश्यकता है। सड़क पर मौजूद गड्ढो को तुरंत भरने और डामर की मरम्मत का कार्य शुरू किया जाए। सड़क की पूरी तरह से पुनर्रचना की जाए, ताकि यह लंबे समय तक टिकाऊ और सुरक्षित बनी रहे। सड़क के नियमित रखरखाव के लिए एक समर्पित तंत्र स्थापित किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न उत्पन्न हो। मरम्मत कार्य शुरू होने तक सड़क पर चेतावनी संकेतक और गति नियंत्रण उपाय लागू किए जाएं। हमारी मांग है कि संबंधित विभाग इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और क्षेत्रवासियों की सुरक्षा और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाए।।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने फरसगांव विखं में स्वास्थ्य केंद्रों आंगनबाड़ी व विद्यालयों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव/फरसगांव

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शुक्रवार को फरसगांव विकासखंड अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दिए। कलेक्टर ने बालक आश्रम कोसागांव में स्थापित कल्पना कक्ष का निरीक्षण किया, जहां पांचवी कक्षा के बच्चे प्रताप और डिगेश्वर ने कंप्यूटर में हिंदी में अपना नाम टाइप करके दिखाया।

कलेक्टर ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार सभी आश्रमों में बच्चों को इसी तरह सुविधाएं और माहौल उपलब्ध कराएं ताकि बच्चे बेहतर ढंग से सीख सकें। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने की बात कही। साथ ही आश्रम परिसर में खेल मैदान एवं उद्यान को विकसित करने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने कोसागांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और बच्चों को सिखाई जा रही गतिविधियों, पोषण आहार तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

■ बालक आश्रम में बच्चों की प्रतिभा देख कलेक्टर ने की सराहना

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बच्चों को स्वच्छता की आदतें सिखाने तथा उनके लिए ड्रेस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शासकीय हाई स्कूल कबोंगा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों की अंग्रेजी विषय में सुधार हेतु प्रभावी ढंग से पढ़ाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित प्राचार्य को दिए। कलेक्टर ने फरसगांव स्थित शासकीय आदर्श बालक छात्रावास का भी निरीक्षण किया, जहां भवन की जर्जर स्थिति और सीपेज की समस्या का अवलोकन किया। उन्होंने जर्जर स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को भवन के पीछे अतिरिक्त भवन निर्माण करने हेतु निर्देशित किया।

ये रहे मौजूद

इस दौरान सीएमएचओ डॉ आर के चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कृपेन्द्र तिवारी , नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, उपाध्यक्ष मूलचंद पांडे, पार्षद नरेंद्र गौर सहित प्रवीर सिंह बदेशा, कामेश्वर साहू, फरसगांव बीएमओ डॉ ज्योतिर्मयी प्रभावती सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग ने चलाया औचक निरीक्षण अभियान, कई स्कूलों में सुधार के दिए निर्देश

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा समय–सीमा बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आज जिले के माकड़ी और कोंडागांव विकासखंड के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान और जिला मिशन समन्वयक ईमल बघेल द्वारा गठित दल के नेतृत्व में किया गया।

निरीक्षण दल में जिला परियोजना अधिकारी वेणुगोपाल राव, सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती शीला शार्दुल और सहायक कार्यक्रम समन्वयक शामिल थे। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान और एस आर मरावी ने माकड़ी विकासखंड में हाई स्कूल हाड़िगांव, काटागांव, स्वामी आत्मानंद स्कूल शामपुर, टेडमुण्डा, लुभा और चीखलाडीही का दौरा किया। जिला मिशन समन्वयक द्वारा माकड़ी के तमरावंड, करंडी उच्चतर माध्यमिक शाला, बीजापुर, घोड़ासोडा और बिंजोली का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने राकासबेड़ा, बेलोंडी, गुमड़ी, एरला, तोरंडी, तौरेंगा, भीमाबेडा, भतवा, पटेलपारा, सम्बलपुर, बम्हनी, सोनाबाल और मडानार सहित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों का भी दौरा किया।

स्कूलों को दिए गए निर्देश : निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया और निर्देश जारी किए पाठ्यपुस्तकों और गणवेश वितरण पुस्तकों की स्कैनिंग और वितरण की प्रगति तथा गणवेश वितरण की स्थिति की जांच की गई। पर्यावरण कार्यक्रम एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम में अधिक से अधिक पेड़ लगाने और ऑनलाइन प्रविष्टि करने के निर्देश दिए गए। मध्यान्ह भोजन भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई। उपस्थिति और समयपालन बच्चों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पालकों से सतत संपर्क बनाने और शिक्षकों को समय पर स्कूल पहुंचने के निर्देश दिए गए। यू–डाइस अपडेट स्कूलों को यू–डाइस प्रोग्रेसन अपडेट करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 90-दिवसीय अभियान को लेकर न्यायिक अधिकारियों की हुई कार्यशाला

कोण्डागांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा संचालित मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 90–दिवसीय अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और सफलता सुनिश्चित करने के लिए आज कोण्डागांव में न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठकध्कार्यशाला आयोजित की गई। यह बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोण्डागांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई।

श्रीमती चतुर्वेदी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए मध्यस्थता को न्यायिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण विकल्प बताया, जो समयबद्ध, सुलभ, किफायती और सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करता है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अधिकाधिक मामलों को मध्यस्थता के लिए चिह्नित करें और पक्षकारों को इस दिशा में प्रेरित करें। कार्यशाला में मध्यस्थता की प्रक्रिया, उसके लाभ, चयन योग्य प्रकरणों की पहचान और मध्यस्थता केंद्र की भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। न्यायाधीश महोदया ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे मध्यस्थता पक्षकारों को न्यायालय में वर्षों तक चलने वाली प्रक्रिया से राहत दिलाकर पारस्परिक समझौते के माध्यम से विवाद सुलझाने में मदद कर सकती है।

■ लंबित मामलों के निपटारे और लोक अदालत की तैयारी पर दिया गया विशेष जोर

लंबित मामलों और नेशनल लोक अदालत पर जोर : न्यायाधीश महोदया ने बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, और विभिन्न सिविल मामलों का निपटारा कराया जा सकता है। उन्होंने न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ को कम करने के लिए मध्यस्थता अपनाने के महत्व पर बल दिया।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में कोंडागांव के एनएसएस स्वयंसेवकों ने की भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कोंडागांव जिले से राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित स्वयंसेवक अंजू बोस, कशिश यादव, खिलेंद्र नेगी और शनिदेव बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लेने रवाना हुए। यह दल जिला संगठक शशिभूषण कन्नौजे के नेतृत्व में वरिष्ठ स्वयंसेवक देवेंद्र कुमार एवं अजीत कुमार की उपस्थिति में स्थानीय बस स्टैंड से रवाना हुआ।

11 जुलाई से 13 जुलाई तक झूलेलाल मंगलम भवन, बिलासपुर में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं में आत्मनिर्भरता, सामाजिक नेतृत्व, उद्यमिता और रचनात्मकता की भावना को विकसित करना है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सत्रें के अलावा समूह चर्चा, उद्यमशीलता विकास, प्रेरक भाषण और अनुभव साझा करने जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

■ सेवा से स्वावलंबन की ओर बढ़ता एनएसएस, युवाओं में जगा रहा नई चेतना

सेवा के साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम : राष्ट्रीय सेवा योजना केवल सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवा मन में सामाजिक चेतना और आत्मनिर्भरता की लौ प्रज्वलित करने का सशक्त साधन है। इस कार्यशाला से हमारे स्वयंसेवक नई सोच और ऊर्जा के साथ लौटेंगे।

रोजगार देने वाला युवा बने – वक्ता : कार्यशाला के दौरान वक्ताओं ने कहा आज का युवा केवल नौकरी का आकांक्षी नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सकता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें दिशा और दृष्टि देने में सहायक होते हैं। कार्यशाला में स्वयंसेवकों को सामाजिक नवाचार, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर कार्य करने की योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। यह कार्यक्रम एनएसएस के माध्यम से युवा सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

2024 के पूर्व पंजीकृत रोजगार आवेदकों को आधार लिंक कराने की अपील

कोण्डागांव। जिले के सभी ऐसे आवेदक जिन्होंने वर्ष 2024 के पूर्व जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोण्डागांव में रोजगार के लिए पंजीयन कराया है, उन्हें सूचित किया गया है कि उनका रोजगार पंजीयन आधार कार्ड से लिंक करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्रक्रिया अगस्त 2025 तक पूरी करनी होगी। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, संबंधित आवेदक किसी भी कार्यालयीन दिवस में अपने शैक्षणिक प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र तथा आधार से लिंक मोबाईल नंबर के साथ कार्यालय में उपस्थित होकर पंजीयन अपडेट करा सकते हैं। सुविधा के लिए आवेदकों को यह भी विकल्प दिया गया है कि वे अपने मोबाइल पर छत्तीसगढ़ रोजगार एप्प गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें या वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन अपडेट कर सकते हैं। रोजगार कार्यालय ने वर्ष 2024 के पूर्व पंजीकृत सभी आवेदकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने रोजगार पंजीयन को आधार कार्ड से लिंक करवा लें, जिससे भविष्य में रोजगार से संबंधित योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुचारु रूप से मिल सके।

आजीविका मिशन डायरेक्टर ने किया कोंडागांव का दौरा

कोण्डागांव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डायरेक्टर आरएल राजेश्वरी एसएम ने शुक्रवार को कोण्डागांव जिले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शिल्प नगरी, जिला स्तरीय सी–मार्ट और विभिन्न महिला समूहों की आजीविका गतिविधियों का जायजा लिया। राजेश्वरी ने शिल्प नगरी और सी–मार्ट का निरीक्षण करते हुए स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों को बढ़ावा देने और उनकी बिक्री सी–मार्ट के माध्यम से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला स्वसहायता समूहों की दीदियों को लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित किया और उन्हें जिला व विकासखंड स्तर पर विभागीय योजनाओं में प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने समूहों को सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन, बकरीपालन, मछली पालन और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। डायरेक्टर ने आधुनिक कृषि तकनीकों जैसे ड्रीप सिंचाई, मचान पद्धति और मल्चिंग विधि को अपनाकर ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। भ्रमण के दौरान, उन्होंने ग्राम बफना में आईएफसी क्लस्टर के तहत श्रीमती शांति देवांगन और अनिता देवांगन के खेतों का दौरा किया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला मिशन प्रबंधक विनय सिंह ने संपूर्ण भ्रमण कराया। राजकुमार, कुंजलाल सिन्हा और महेश्वर राठौर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिपं सदस्यों का हुआ आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिला पंचायत सदस्यों के लिए आधारभूत अभिमुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन जिला पंचायत संसाधन केंद्र, कोण्डागांव में किया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ जिला पंचायत अविनाश भोई के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

■ प्रशिक्षण के दौरान योजना और नेतृत्व विकास पर मिला मार्गदर्शन

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला पंचायत सदस्यों को पंचायती राज व्यवस्था, विभिन्न सरकारी योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। प्रशिक्षण में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्थानीय सतत विकास लक्ष्य, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज अधिनियम, ई–ग्राम स्वराज अभियान, और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस हुआ पौधारोपण : प्रशिक्षण के अंतिम दिवस, जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी की उपस्थिति में, सभी जिला पंचायत सदस्यों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जिला पंचायत संसाधन केंद्र परिसर में पौधारोपण किया।

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर यशोदा रामचंद कश्यप, नंदकुमार राठौर, कपिल कांत नाग, जयलाल नाग, कल्ता मंण्डावी, चरन्तीन नेताम, रदमा बाई बघेल, रामदई नाग, भगवती नेताम और रामचरण सोरी सहित अन्य जिला पंचायत सदस्य उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीआर मोरे उप संचालक, पारस कुमार मानिकपुरी और अनुराधा मेश्राम संकाय सदस्य और गजेन्द्र कुमार साहू जिला समन्वयक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुस्लिम सहित कई समाज के पदाधिकारी की रही मौजूदगी

फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड से चमके शहर के सितारे

नारायणपुर। अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर की जानिब से मंगलवार की शाम कर्बला के शोहदा की याद में एक पुरअसर, रूहानी और दीनी महफ़िल का आयोजन किया गया। इस मौके पर /"फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड/" से उन चुनिंदा शख्सियतों को नवाज़ा गया, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम करके न सिर्फ नारायणपुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम की शान बढ़ाने वाले मुख्यातिथियों का मंच पर भव्य स्वागत किया गया। उनके सम्मान में इस्तेकबाल के फूल बरसाए गए और दस्तारबंदी के साथ तहेदिल से शुक्रिया अदा किया गया। इस मौके पर सर्व प्रथम पद्मश्री पंडीराम मंडावी का स्वागत अंजुमन इस्लामिया कमेटी नारायणपुर के सदर मोहम्मद इमरान खान के द्वारा किया गया। वहीं सर्व आदिवासी समाज के संरक्षण रूपसाय सलाम का स्वागत सय्यद अख्तर अली के द्वारा किया हैं। सर्व आदिवासी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सदानंद ठाकुर का स्वागत इलीयास भाई के द्वारा किया। इसी तरह महेश नाग स्वागत मोहम्मद यूसुफ सर के द्वारा किया गया। विशेष अतिथि गोपाल कुलदीप का स्वागत इकबाल कुरैशी और रामसिंह वरदा का स्वागत यंग कमेटी के अध्यक्ष आसिफ मेमन के द्वारा किया गया। इन तमाम मेहमानों की मौजूदगी ने इस महफ़िल को एक तहज़ीबी और सामुदायिक एकता की मिसाल बना दिया।

फख्र–ए–मिल्लत अवार्ड : जज़्बे, हुनर और खिदमत का एहतराम कार्यक्रम का सबसे अहम हिस्सा वो घड़ी थी जब /"फख्र-ए-मिल्लत अवार्ड/" से उन शख्सियतों को सम्मानित किया गया जिनकी मेहनत, लगन और हौसले ने मिल्लत को फख्र से सर उठाने का मौक़ा दिया।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में हाफिज रब्बानी साहब,मौलाना अबुल वफा साहब, मौलाना मुबारक , मौलाना अब्दुल माबूद साहब, हाजी जावेद, जनाब एस.बी. फरीदी, ए.के. फारूकी कारी मुनव्वर हाफिज रब्बानी मौलाना मुबारक शेख तोहिद , अशफाक अहमद, शेख तनवीर, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद इलियास अनवर अली, रेहान अली, मोहम्मद शाहिर इकबाल कुरैशी, महमूद खान एवं अन्य मुस्लिम समाज की महिला एवं पुरुष सहित कई सामाजिक पदाधिकारी मौजूद रहे। नातख़्वानी के दौरान हाजी हाफ़िज़ शरीफ साहब और साथियों ने दिल को छू लेने वाले कलाम पेश किए।

इन्हें मिला अवार्ड

अज़मत फरीदी (मल्लखम्ब, आईजीटी विजेता) – सम्मानितः को अवॉर्ड पद्मश्री पंडीराम मंडावी के द्वारा किया गया। वहीं यश कुमार वरदा (क्रिकेट) – सम्मानित को अवॉर्ड मोहम्मद हुसैन साहब के द्वारा किया गया। कारी फरहान कुरैशी (जामिअतुर रज़ा, बरेली शरीफ) – सम्मानित का सम्मान सर्व आदिवासी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सदाराम ठाकुर के द्वारा किया गया। इसी तरह धनसिंह बघेल (स्वास्थ्य सेवा) – सम्मानित का सम्मान जनाब तौकीर अहमद के द्वारा किया गया शादान फारूकी (वकालत) – सम्मानित रूपसाय सलाम और खुशबू नाग (वेट लिफ्टिंग व बॉडी बिल्डिंग)– सम्मानितः सदर मोहम्मद इमरान खान के द्वारा किया गया। इस मौके पर सदर मोहम्मद इमरान खान ने कहा कि ये अवार्ड न सिर्फ एक सम्मान हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का पैग़ाम भी हैं।

जाति प्रमाण पत्र की कार्यशाला का किया गया आयोजन, छात्रों के बने प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल के समस्त संकुल प्राचार्य एवं समूह समन्वयकों आवश्यक बैठक जनपद पंचायत के सभागार में 11 जुलाई को लिया गया। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा जाति प्रमाण पत्र के संबंध आवश्यक दस्तावेज की जानकारी व्हाईट बोर्डमें दिया गया। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए 1950 के पूर्व की दस्तावेज मिशल रिकॉर्ड, नागरीक रजिस्टर, अधिकार अभिलेख, जाति प्रमाण पत्र की वंशावली की कड़ी मिलान करना, स्कूल का दाखिल खारिज, मार्क सीट एवं अन्यशासकीय आवश्यक दस्तावेज, जिसमें आवेदक के पिता, दादा का जाति व नाम अंकित हो उसेफार्म में लगाना अनिवार्य बताए। अधिकार अभिलेख प्रमाण पत्र, जिसमें जाती हो एवं ग्राम सभा का प्रस्ताव आदि के बारे में सविस्तार से जानकारीदी गई। पिछड़ा वर्ग के लिए 1984 का रिकॉर्ड लगाना अनिवार्य बताया गया। यदि कोई आवेदक के पूर्वज अशिक्षित भूमिहीन हो या किसी प्रकार के सरकारी दस्तावेज नहीं होने की स्थिति में उनके लिए ग्राम सभा का प्रस्ताव, जिसमें उक्त व्यक्ति का नाम एवं जाति उल्लेख हो उसे लगाना अनिवार्य होगा एवं किसी के परिवार के सदस्य का जाति प्रमाण पत्र बना हो तो आवेदक के फार्म में लगाएं, जिससे जाति प्रमाण पत्र बनाना सरलहोगा। शासन के सरलीकरण प्रक्रिया को भी विस्तार से बताया गया।तहसीलदार नेहायरसेकेंड्री हाई स्कूल के लिए प्राचार्यों एवं प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के लिए संकुल समन्वयकों को नोडल नियुक्त किए हैं। विकासखंड नोडल सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी ने लक्ष्य की जानकारी तत्काल देने को कही। खंड शिक्षा अधिकारी एसपी कोसरे ने समस्त प्राचार्यों को दसवीं एवं बारवी के रिजल्ट रेमीडियल क्लास अनुरोध कार्यक्रम का संचालन, नवोदय परीक्षा की जानकारी एवं शैक्षणिक गतिविधियों सविस्तार जानकारी एक-एक प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों से ली गई। बैठक में बीआरसी लतीफ कुमार सोम, प्राचार्य बाबूलाल कोमरे, अजय नेताम, हेमंत श्रीवास्तव, परमालाल पाड़े, इरशाद बेगम बोहरा, कुमुद ध्रुव, शंकर नागवंशी, किशोर विश्वकर्मा, हेमंत सिन्हा, गोवर्धन मंडावी, बृजभूषण आर्य के साथ समस्त संकुल समन्वयक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्यालय में हवन

बस्तर। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हवन पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं, प्रभारी प्राचार्या, और शाला के सभी बच्चे भी शामिल हुए और आशीर्वाद प्राप्त किया। हवन का आयोजन गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किया गया, जो गुरु-शिष्य परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर सभी ने आशीर्वाद प्राप्त किया और अपने गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय में इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाते हैं, जो छात्रों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में मदद करते हैं।

मत्स्य किसानों को दी गई योजनाओं की जानकारी

बीजापुर। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर जिले के नैमेड़ स्थित शासकीय फिश हैचरी में मत्स्य किसानों के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए मत्स्य कृषकों को मछली पालन से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं, तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण अवसरों से अवगत कराया गया।

निधन

राजेन्द्र डेकाटे

जगदलपुर। खेल एवं युवक कल्याण के सहायक संचालक के पद पर कार्यरत राजेन्द्र डेकाटे का शुक्रवार को रायपुर में उपचार के दौरान निधन हो गया। 58 वर्षीय राजेन्द्र का सोमवार को शहर के शासकीय कालोनी साकेत कालोनी निवास में एकाएक तबियत बिगड़ने से वे स्वयं बाइक चलाकर महारानी अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने माइनर हार्टअटैक बताया और इलाज किया। बेहतर उपचार के लिए रायपुर रवाना हुए। 11 जुलाई को दुबारा हार्टअटैक आने से परिजन रायपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया। सुबह साढ़े 9 बजे उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनकी पत्नी, दो पुत्रों के साथ रायपुर में निवारत थी। जबकि राजेन्द्र डेकाटे जगदलपुर साकेत कालोनी में अकेले रहते थे। उनका निधन से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम में उन्हें बस्तर क्षेत्र के खिलाड़ियों, विभिन्न खेल संघो से जुड़े पदाधिकारियो व अन्य खेलप्रेमियों ने श्रद्धाजंलि अर्पित करते दो मिनिट का मौन धारण किया।

बच्चे किचन शेड में पढ़ने को मजबूर

4 लाख 50 हजार की मरम्मत राशि हजम

खराब छत और टपकता पानी से बच्चों को पढ़ाई में हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपालपटनम

छत से टपकता पानी, दीवारों में सीलन, बिजली व्यवस्था ठप और खिड़की-दरवाजों की हालत खस्ता हम बात कर रहे हैं भोपालपटनम ब्लॉक के कोनागुड़ा प्राथमिक शाला की। जहां मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत प्राथमिक शाला कोनागुड़ा भवन की मरम्मत के लिए 4.50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई थी।

- प्रधानाध्यापक और बीईओ की भूमिका सवालों के घेरे में
- ग्रामीणों ने खुद किया स्कूल की मरम्मत

मरम्मत के नाम पर यह पूरी राशि डकार ली गई, लेकिन शाला भवन की हालत आज भी बद से बदतर है। भवन में लगातार छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को क्लास रूम की जगह पुराने जर्जर किचन शेड में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। बारिश के मौसम में ये स्थिति और भी खराब हो जाती है। ग्रामीणों ने खुद मेहनत कर शेड को थोड़ा बेहतर बनाया, रंगाई-पुताई करवाई और गिरते सज्जा को हटाया, लेकिन इस सुधार कार्य की मजदूरी तक का भुगतान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों ने किया सवाल, फिर कहां गया 4.50 लाख

जब इस विषय पर प्रधानाध्यापक से सवाल किया गया तो उन्होंने बीईओ पर ही जिम्मेदारी डाल दी। उन्होंने कहा कि बीईओ के कहने पर उन्होंने ब्लैंक चेक दिया था और उसी के माध्यम से राशि निकाली गई। ग्रामीणों ने स्वयं प्लास्टर कर, सज्जा हटाकर रंगाई-पुताई कर दी, लेकिन इसके मजदूरों को अब तक भुगतान नहीं मिला। प्रधानाध्यापक द्वारा कहा गया कि इसके लिए 10,000 रूपए की स्वीकृति है। लेकिन वह भी आज तक ग्रामीण मजदूरों को नहीं मिली।

ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे 4.50 लाख में से केवल टाइल्स और पुट्टी का काम किया गया, पीछे का आधा भवन वो भी आधा-अधूरा। न छत की मरम्मत हुई, न बिजली का काम और न ही खिड़की-दरवाजों की मरम्मत की गई।

शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सोढ़ी वेंकट और ग्रामीणों ने बताया कि काम अधूरा होने के बावजूद तत्कालीन बीईओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, शिकायत मत कीजिए, काम पूरा कर देंगे। समिति से केवल एक बार हस्ताक्षर करवा कर पूरी राशि का आहरण कर लिया गया, पर कितनी राशि कहां खर्च हुई, इसकी जानकारी तक अध्यक्ष को नहीं है।

बच्चों के साथ हो रहा अन्याय जवाबदेही कौन तय करेगा

एक ओर शासन बच्चों के भविष्य को लेकर सुदूर क्षेत्रों में स्कूलें खुलवा रही है, वहीं जमीनी हकीकत यह है कि मरम्मत के पैसे की बंदरबांट हो रही है। बच्चों को सुरक्षित वातावरण देने के बजाय उन्हें टपकती छत और कीचड़ भरे किचन शेड में पढ़ाई के लिए मजबूर किया जा रहा है।

इस पूरे मामले में तत्कालीन बीईओ और प्रधानाध्यापक की भूमिका संदिग्ध है। ग्रामीणों और समिति के सदस्यों की मांग है कि मरम्मत कार्य की जांच हो और दोषियों से पैसे की वसूली करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

मोहल्ले के रहवासियों का कहना है कि प्रशासन जांच कर स्कूल भवन के छत सुधार करवाए ताकि पानी बाहर गिरे न की क्लास रूम के अंदर।

काम तो नहीं हुआ

स्कूल में 4 लाख 50 हजार का खर्चा बताया जा रहा है लेकिन उस हिसाब से काम तो हुआ नहीं है। बच्चों को बैठने की व्यवस्था नहीं होने के कारण सभी ग्रामीणों ने मिलकर ही किचन शेड में प्लास्टर, टूटें खिड़की दरवाजे के सज्जें को हटाकर प्लास्टर का काम किया है, जिसमें प्रधानाध्यापक ने कहा था कि इस काम के लिए भी 10,000 रूपए आया है लेकिन वो पैसा नहीं मिला है।

-श्रीकृष्ण यालम,
उप सरपंच ग्राम पंचायत रुद्रारम

टोल बचाने की होड़ में बच्चों की जान से खिलवाड़

चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा मार्ग बना मौत का रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा पहुंच मार्ग के चौक में बड़ा गड्ढा हो गया है, जिसमें आए दिन राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्राम पंचायत टिकरालोहंगा के अंतर्गत आश्रित ग्राम चिड़ईपदर से टिकरालोहंगा को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग इन दिनों दलदल और कीचड़ से पूरी तरह बदहाल हो चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस जर्जर सड़क पर भारी भरकम ट्रेलर और ट्रक धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। वो भी सिर्फ इसलिए कि वाहन मालिक टोल प्लाजा का शुल्क बचा सकें।

- जर्जर सड़क पर भारी भरकम ट्रेलर और ट्रक धड़ल्ले से दौड़ रहे

कीचड़ भरी और गड्ढों से सड़क पर ट्रेलर और मालवाहक गाड़ियां चल रही हैं, इस मार्ग से स्कूली बच्चे, ग्रामीण और महिलाएं भी प्रतिदिन आवागमन करते हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो गई है। सड़क पर बने गहरे कीचड़ के गड्ढे अब जानलेवा बन चुके हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि टोल बचाने के लिए जान जोखिम में डाली जा रही है। रास्ता इतना खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। प्रशासन को कई बार शिकायत की गई पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विद्यालय जाने वाले बच्चे और राहगीर हर दिन जान हथेली पर रखकर इस मार्ग से गुजरने को मजबूर हैं। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो कोई बड़ी दुर्घटना होना तय है।

चौक के पास रहने वाले संजू सोनवानी, राजेन बांदे एवं चिड़ईपदर वासी ने बताया कि आए दिन स्कूली बच्चे कीचड़ से लथपथ होकर कई बार घर वापस होना पड़ रहा है। जब इस मार्ग पर ट्रक आती है तो घटना होने की आशंका बनी रहती है।

अनुपस्थित शिक्षकों पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

कलेक्टर बस्तर के आदेशानुसार व जिला शिक्षा अधिकारी बस्तर के निर्देशन पर ब्लॉक बस्तर के अंतर्गत संचालित विभिन्न प्राथमिक, माध्यमिक व हाइस्कूल शालाओं का निरीक्षण सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

उनके द्वारा जर्जर व अतिजर्जर व अहाता विहीन शालाओं का भी चिन्हांकन किया गया। बारिश को देखते हुए पानी सीपेज व छत जर्जर होने वाली शालाओं के प्रभारियों को बच्चों को सुरक्षित स्थान पर बिठाने हिदायत दी गई। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को सर्व प्राथमिकता देने की बात कही है। सर्वप्रथम संकुल रेटावंड के प्राथमिक शाला सिरहापारा की छत जर्जर होने की स्थिति को देखते हुए विकल्प के रूप में समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में ज्यादा बारिश होने पर बच्चों को बिठाने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई। अगले क्रम में प्राथमिक शाला रेटावण्ड में सहायक शिक्षक सुखलाल कश्यप बिना किसी सूचना के लगातार कई दिनों से नदारद पाया गया। इसके बारे में ग्रामीणों द्वारा नशे की हालत में रहने की बात कही गई है, इसे यहां से हटाये जाने की मांग की है। अधिकारी द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है फिर प्राथमिक शाला जामगुडा संकुल खोरखोसा का अवलोकन किया गया। यहां मध्यान्ह भोजन में आवश्यक पोषक तत्वो की कमी पाई, जिस पर अधिकारी द्वारा प्रभारी को स्वसमुह से स्थिति सुधारने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन गुणवत्ता युक्त व मीनू अनुसार होना चाहिए । अगले क्रम में माध्यमिक शाला नन्दपुरा व बनियागांव का निरीक्षण किया गया यहां बनियागांव में बच्चों का गुणवत्ता स्तर आशा के अनुरूप नही पाया गया।

- एबीईओ ने किया विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण

उपस्थित संकुल समन्वयक व प्रभारी से स्तर सुधारने आवश्यक प्रयास करने निर्देश दिए गए। वही संकुल तुरपुरा की माध्यमिक शाला में बच्चों का स्तर बेहतर पाया गया अधिकारी द्वारा पूछे गए सवालों का हाजिर जवाब बच्चों ने दिया, जिससे अधिकारी काफी प्रभावित हुए। उनके द्वारा गणित व विज्ञान विषय पर जानकारी देते हुए क्लास 8वी की क्लास भी ली। प्राथमिक शाला बुनापारा संकुल सालेमेटा में दर्ज संख्या की अधिकता के चलते बैठक व्यवस्था हेतु पर्याप्त कमरे नही होना साथ ही पीने का पानी की भी समस्या पाई गई। पदस्थ टीचर द्वारा अध्यापक दैनन्दिनी भी संधारित किया जाना पाया गया। सोरगांव संकुल अंतर्गत कन्या आश्रम का भी अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमें प्रत्येक कक्ष में छत से पानी सीपेज की स्थिति पाई गई। जिसके कारण बालिकाओ को बारिश के मद्दे नजर बरामदे में बिठाकर अध्यापन करवाया गया। दर्ज के अनुसार अतिरिक्त 3 कमरों की आवश्यकता है, साथ ही मध्यान्ह भोजन बनाने किचन शेड की भी प्रभारी द्वारा मांग की गई है। अध्ययनरत बालिकाओ ने भी अतिरिक्त कमरे की मांग अधिकारी के समक्ष की जिस पर अधिकारी द्वारा उनकी मांगों को उचित ठहराते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने का भरोसा दिया । हाइस्कूल सोरगांव ,पहुचकर क्लास 10वी के बच्चों से रूबरू होकर विषय से सम्बंधित जानकारी अधिकारी द्वारा दी गई। वही 9वी में आने वाले नवीन बच्चों को नियमित शाला आने की समझाइश दी । वही माध्यमिक शाला सोरगांव का भी अवलोकन किया गया सभी व्यवस्था दुरुस्त पाई गई। आज अधिकारी के निरीक्षण के दौरान मुकेश तिवारी, विनय कुमार ,परमेश्वर ठाकुर व डमरूधर पंथ संकुल समन्यक साथ मे उपस्थित थे। अधिकारी द्वारा नियमित शाला निरीक्षण की बात कही है।

सुरक्षा बलों के प्रयास से ग्रामीण हुए लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोंटा

चिन्तागुफा थाना क्षेत्र पिड़मेल स्थित 50 वीं वाहिनी ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिड़मेल गाँव के ग्रामीणों के लिए सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह आयोजन राकेश अग्रवाल भापुसे महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सेक्टर एवं राजेश पाण्डे उप महानिरीक्षक परिचालन रेंज कोटा के मार्गदर्शन में तथा कमाण्डेन्ट प्रेमजीत कुमार के दिशा निर्देशन में रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिडमेल गांव के ग्रामीणों को रेडियों सेट कृषि कार्य के उपकरण एवं अन्य घरेलू उपयोग के सामानों का वितरण किया गया। इसका उद्देश्य गाँव के लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं की जानकारी देना एवं समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के साथ-साथ बरसात के मौसम में फैलने वाली बिमारियों की रोकथाम एवं बचाव के प्रति जागरूक करना था । 50 बटा. द्वारा आयोजित इस सिविक एक्शन प्रोग्राम से रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिड़मेल गांव के लगभग 100 से अधिक स्त्री पुरूष एवं बच्चे लाभांवित हुये। कभी भय और पिछड़ेपन का प्रतीक रहे रंगाईगुडा रोड़पारा एवं पिड़मेल जैसे गांव आज उम्मीद और बदलाव के नए केंन्द्र बन रहे है। केरिपुबल के इन प्रयासों से ग्रामीणों में अब डर नहीं बल्कि सुरक्षा, स्वास्थय, शिक्षा और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। यह इस बात का उदाहरण है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में हथियार नहीं, बल्कि दिलों को जीतने से स्थायी बदलाव आता है। पिडमेल आज सिर्फ एक गांव नहीं, नक्सलवाद से मुक्ति की ओर एवं विकास की नई कहानी गढ़ रहा है। सिविक एक्शन प्रोग्राम मे रंगाईगुडा, रोडपारा एवं पिडमेल के सभी ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिससे स्पष्ट होता है कि इन इलाकों के ग्रामीणों में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ रहा है।

कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

प्रदेश नगरी निकाय कर्मचारी संघ के आह्ववान पर नगर पंचायत बस्तर के कर्मचारियों ने तीन सूत्रीय मांग को लेकर शुक्रवार को काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे प्रदेश में आधिकारी, कर्मचारी नगरीय निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में 5 जुलाई को तीन महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इसस शासन ने अपनी नाकामयाबी को छुपाते हुए आंदोलनकारी को बसों में जबरन ठूस कर शहर से दूर अन्यत्र स्थान पर ले जाया गया ताकि आंदोलन बाधित हो। पूरे प्रदेश के कर्मचारियों में काफी रोस है। हम अपनी तीन सूत्रीय मांग जिसमें महीने के प्रथम तारीख को वेतन भुगतान, नगरी निकाय कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने और बरसो से एक ही पद में कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण मांगों को लेकर आंदोलन जारी रहेगा।

नगरी निकाय कर्मचारी अपनी बाहों में काली पट्टी लगाकर कार्यालय कार्यों को करेंगे। नगर पंचायत बस्तर के कर्मचारी उप अभियंता रोहित नाग, अनिल साव, रामदास कश्यप, राकेश अग्रवाणी, गंगाराम प्रधान, जगतार लाल साहू, कमलोचन नाग, अनवरी बेगम मौजूद रहे।

कलेक्टर ने स्कूलों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव शुक्रवार को विकासखण्ड छिंदगढ़ में स्थित विकासखंड चिकित्सालय और पीएचसी तोंगपाल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों में बरसाती पानी और अन्य स्त्रोतों से जमा गंदे पानी को साफ करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने उल्टी-दस्त और डेंगू-मलेरिया जैसे बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की आवश्यक तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में कपड़ा सुखाने के लिए हीटर रखने और भर्ती मरीजों के लिए मच्छरदानी का उपयोग करने निर्देशित किया। उन्होंने पोषण पुनर्वास केन्द्र और मैटरनिटी वार्ड में भर्ती मरीजों के खान-पान एवं पौष्टिक आहार में विशेष ध्यान देने कहा। स्वास्थ्य कार्यकतार्ओं को गर्भवती, शिशुवती और छोटे बच्चों को शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात वे प्राथमिक शाला चिपुरपाल और गिरलीगुटी पहुंचे। स्कूल में उन्होंने बच्चों को पढ़ाई से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे। उन्होंने बच्चों के लिए पुस्तकें और गणवेश की उपलब्धता की जानकारी ली। छात्रों की उपस्थिति कम होने पर अभिभावकों से मिलकर काउंसिलिंग करने के निर्देश दिए।

स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 3 री के छात्र को चर्मरोग से संबंधित समस्या थी। उन्होंने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को छात्र का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी स्कूलों, आश्रम और छात्रावासों में छात्रों का नियमित स्वास्थ्य जांच करने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम छिंदगढ़ विजय प्रताप खेस और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों की स्कूल फीस माफ करने प्राचार्य ने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दरभा

विकासखण्ड दरभा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदबहार में गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था में पदस्थ व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य बुधराम कश्यप द्वारा गुरु पूर्णिमा व अपने जन्मदिन पर 27 अनाथ व निर्धन विद्यार्थियों को जैसे 11वीं व 12वीं के छात्र - छात्राओं को पुस्तक -कापी, 9वीं-10वीं के छात्र छात्राओं को कापी पेन का वितरण किया गया।

साथ ही इन बच्चों की स्कूल फीस माफ किए जाने हेतु भी प्राचार्य द्वारा घोषणा किया गया। ताकि इन बच्चों के पढ़ाई लिखाई में कोई भी आने वाली परेशानी व समस्याएं दूर हो सके। बच्चों के सामने बहुत सी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं और ऐसे बच्चे जिन्हें पुस्तक,कापी एवं फीस आदि की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं और काम की तलाश में निकल जाते हैं और छोटे उम्र में ही मजबूरीवश किसी काम में लग जाते हैं। इन्हीं सब बातों को महसूस कर एवं ध्यान में रखते हुए इस पहल को शुरू करने की कोशिश की गई है। साथ ही इन बच्चों के अलावा स्कूल के और भी गरीब जरूरतमंद बच्चों को नगद के रूप में फीस के लिए तथा 12वीं उत्तीर्ण कई बच्चों को कॉलेज में प्रवेश हेतु ऑनलाइन फॉर्म भरने में लगाने वाली राशि का भी सहयोग इसी सत्र में किया गया है। हर साल बच्चों को कुछ ना कुछ गुप्त रूप से पुस्तक, कापी,फीस के लिए नगद राशि देकर लगातार सहयोग किया जाता रहा है। अंत समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं व कार्यालयीन स्टॉफ को यादगार स्मृति स्वरूप पेन प्रदान किया गया। अंत में एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण किया गया। साथ ही एक पेड़ मां के साथ घर पर लगाने हेतु बच्चों को पौधा भी वितरण किया गया। इस अवसर पर व्याख्याता डॉ.अखिलेश त्रिपाठी, दीनबंधु नाग, डॉ.तुलादास मानिकपुरी, डॉ. लुदरसन कश्यप, उषा कश्यप, मनोहर सिंह बरनाला, प्रमोद कुमार मरावी,सुबोध शुक्ला, नोहर सिंह सलाम, दिनेश नाग, देवचन्द सेठिया, हेमंत मांझी, जगन्नाथ समरथ तथा छात्र छात्राएं थे।

जिले की 54 स्कूल बसों का पंजीयन होगा निलंबित

जगदलपुर। परिवहन विभाग के आरटीओ एवं परिवहन निरीक्षक ने 14 जून एवं 5 जुलाई को बस्तर जिले के स्कूल बसों को जांच किया गया। इस दौरान अब तक लगभग 54 स्कूल बस नहीं पहुंचे, जिससे आरटीओ ने संबंधित स्कूल प्रबंधन को नोटिस दिया कि अपने स्कूल के बसों की जांच कराएं। आरटीओ कार्यालय में नहीं पहुंचने पर 54 स्कूल बसों का पंजीयन शीघ्र ही निलंबित किया जाएगा। बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिए गए गाइडलाइंस के अनुसार स्कूल बसों में स्पीड लिमिट डिवाइस, व्हीएलटी डिवाइस, सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य समस्त उपकरण लगाकर आड़ावाल स्थित आरटीओ कार्यालय में समस्त दस्तावेजों जैसे परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण, स्पीड लिमिट डिवाईस, व्हीएलटी डिवाइस, पेनिक बटन एवं खिड़की में जाली होना चाहिए। परिवहन विभाग के निरीक्षक एसके झा ने बताया कि जांच में नहीं पहुंचे स्कूल बसों को स्कूल परिसर में जाकर जांच कर जब्त की जाएगी।

खबर संक्षेप

मंडी की जमीन में सुरक्षा बल काबिज, पर नहीं मिल रहा किराया

जगदलपुर। बस्तर संभाग की 3 मंडी एवं 2 उप मंडी के लगभग 39.05 एकड़ जमीन में वर्षों से सुरक्षा बलों का कब्जा है। बीजापुर मंडी का 11 एकड़, नारायणपुर मंडी का ढाई एकड़, कोंडागांव मंडी का 9 एकड़, भोपालपटनम उप मंडी का 15 एकड़ एवं दोरनापाल उप मंडी का 2 एकड़ जमीन वर्ष 2005 से सुरक्षा बल तैनात हैं। बताया जा रहा है कि नक्सल ऑपरेशन के लिए सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। इसके चलते लगभग वर्षों से मंडी में उपज की आवक कमी एवं आय प्रभावित हो रही है। मंडी सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बलों की ओर से मंडी को कब्जे की जमीन का अब तक किराया नहीं दिया जा रहा है। हालांकि कुछ वर्ष पूर्व मंडी की ओर से पुलिस से कब्जे का किराया मांगने का प्रयास किया पर कोई जवाब नहीं मिला। कृषि विपणन मंडी बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक केएल मंडावी ने संबंधित मंडी सचिवों को निर्देश दिया कि सुरक्षा बलों द्वारा कब्जा की जमीन का किराया मांगे।

अनियमितता, 3 कृषि केंद्रों को कारण बताओ नोटिस

बीजापुर। जांच में मिली अनियमितता, 3 कृषि केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। संचालक कृषि के निर्देशानुसार जिले में संचालित उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केन्द्रों का लगातार जांच जारी है। उप संचालक कृषि प्रताप सिंह कुसरे के नेतृत्व में निरीक्षकों द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड संचालित विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण कर अनियमितता पर कार्रवाइ की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर 3 कृषि केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। बीजापुर विकासखण्ड में निरीक्षक उग्रेश कुमार देवांगन (सहायक संचालक कृषि) एवं मरकेला श्रीनिवास (कृषि विकास अधिकारी) द्वारा ग्राम मांझीगुड़ा में संचालित धुरवा कृषि केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केन्द्र में निर्धारित प्रारुप में स्कंध पंजी का संधारण, मुल्य सूची का प्रदर्शन, दैनिक उपलब्ध स्टॉक सूची का प्रदर्शन नहीं पाया गया। इसी तरह विकासखण्ड भोपालपटनम में उप संचालक कृषि प्रताप सिंह कुसरे के नेतृत्व में निरीक्षक चुनेन्द्र प्रकाश देवांगन (अनुविभागीय कृषि अधिकारी) द्वारा बालाजी ट्रेडर्स, मद्देड़ एवं लक्ष्मी मार्केटिंग एण्ड कृषि सेवा केन्द्र, मद्देड़ का निरीक्षण किया गया।

अध्यक्ष ने निर्माण कार्यों में तेजी और विभागीय जवाबदेही पर दिया जोर

सामान्य सभा में कार्यों की हुई समीक्षा चार विभाग रहे नदारद, जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंतागढ़

जनपद पंचायत अंतागढ़ के सभाकक्ष में सामान्य सभा की बैठक आयोजित किया गया, जिसमें जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों ने सभी विभागों के कार्यो की समीक्षा किया और चार विभाग के अधिकारी उपस्थित नहीं होने पर नाराजगी जताया। आयोजित बैठक के दौरान अध्यक्ष मनोरमा मंडावी, उपाध्यक्ष कुबल भूसाखरे ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत चल रहे सभी निर्माण कार्य को जल्द जल्द पूर्ण करने निर्देशित किया। पोडगांव के रोड किनारे नाली में मिट्टी भरने से पानी जमा हो जाने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उसी प्रकार अंतागढ़ में सड़क निर्माण काराया जा रहा जो बीच में बस स्टैण्ड के बाहर में छोटे-छोटे गड्ढे में गिट्टी डलवाने उपस्थित अधिकारी के द्वारा निरीक्षण कर रोड निर्माण कर रहे व संबंधित ठेकेदारों से बैठक कर त्वरित कार्यवाही करने का अश्वान दिया गया है। कृषि विभाग में वर्तमान में संचालित योजनाएं के बारे में जैसे फसल बीमा, खाद, बीज, रखाव व उठाव की संबंध में अवगत कराया गया, साथ ही उपाध्यक्ष के द्वारा वर्ष 2024-25 में पंजीकृत फसल बीमा की कितने लोगों को राशि मिला है, उसकी सूची उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया। उक्त कर्मचारी के द्वारा सूची उपलब्ध करायें जाने का आश्वासन दिया गया। उद्यानिकी विभाग में वर्तमान में संचालित योजनाएं के बारे में फसल बीमा, पौधा रोपण, फेसिंग तार किसानों को सब्जी उत्पादन के लिए प्रतिहेक्टेयर के हिसाब से अनुदान 50 प्रतिशत दिया जाता है। ऐसे किसान जो लाभ लेना चाहते है, वह किसान कार्यालय में उपस्थित हो कर जानकारी ले सकते है। पशुधन विभाग में वर्तमान में संचालित योजनांए के बारे में कुक्कुट पालन, बकरी पालन, टीकाकरण, अन्य संबंधी जानकारी दी गई। पीएचई विभाग में संचालित योजनाएं के बारे में वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्य जल जीवन मिशन अंतागढ़ हर घर पानी पहुंचाना उदेश्य है। जल जीवन मिशन से चल रहे कार्य हर घर पानी नहीं पहुंचने से समय सीमा में कार्य को पूर्ण नहीं कराने से नराजगी जाहिर की गई। बंद पड़े कार्य या प्रगतिरत कार्य को जल्द जल्द पूर्ण करने निर्देशित किया गया है। विद्युत विभाग में संचालित योजनाएं के बारे में पीएम सूर्य योजना, अन्य विभागीय जानकारी दी गई तथा सब स्टेशन ताड़ोकी में स्थापित किया जाना था जमीन उपल्बध नहीं होने विवादित होने के कारण नहीं बना है, ग्राम मड़पा में सब स्टेशन के लिए प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। साथ राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जा चूका है, स्वीकृति मिलने से कार्यवाही किया जाएगा। जलसंसाधन विभाग में वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्य के बारे में जानकारी दी गई। अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण करने निर्देशित किया गया है। शिक्षा विभाग में संचालित योजनांए एवं निर्माण कार्य की जानकारी युक्त युक्तिकरण के तहत प्रा. शालाओं में कुछ शिक्षक उपस्थिति नहीं दि गई कुछ शिक्षक उच्च न्यायालय में आवेदन किया गया है। एक शिक्षक वाले स्कूलों के लिए शिक्षक व्यवस्था के प्रस्ताव बनाकर उच्च कार्यलय भेजी गई है पूर्व में शिक्षक कार्य रहे शिक्षकों को जिला खनिज न्यास निधि अंतर्गत कार्य करने आदेश जिला कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

छुटे हुए व्यक्तियों का बनेगा आयुषमान कार्ड

विकासखंड अंतार्गत प्राथमिक, माध्यमिक, हाई व हायर सेंडरी विद्यालयों में अति जर्जर भवनों का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है एवं अतिरिक्त कक्ष के लिए निर्माण संबंधी, सदस्यों के द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को पुस्तक नहीं मिलने संबंधी उपस्थित अधिकारी को प्रश्न किया गया था उन्होंने पुस्तक वितरण राज्य से प्राप्त नहीं होना जानकारी दी गई। खण्ड चिकित्सा विभाग में संचालिय योजनाएं एवं निर्माण संबंधी जानकारी दी गयी, ऐसे व्यक्ति जो 70 साल के है उसका कार्ड सामुदायिक केन्द्र में बनाया जा रहा एवं चिन्हांकित कर बनाया जा रहा है। आयुषमान कार्ड नहीं बनाए व छुटे हुए व्यक्तियों का बनाया जा रहा है। बरसात के समय मलेरिया का प्रकोप का समय है पूर्व में मच्छरदानी वितरण किया जा चूका है। मच्छरदानी का उपयोग किया जाए, उल्टी दस्त यह मौसमी बिमारी है।

चार विभाग के अधिकारी रहे नदारद

रेशम विभाग, आबकारी निरीक्षक, सहकारिता विभाग, वन विभाग के अधिकारियों के उपस्थिति नहीं रहने के कारण इन विभागों की समीक्षा नहीं हो सका। उक्त विभाग के अधिकारी उपस्थित नहीं होने पर सदस्यों के द्वारा नाराजगी जाहिर किया गया। अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अंतागढ़ के द्वारा विकासखंड अधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विकासखंड अधिकारी को अगामी सामान्य सभा की बैठक में उपस्थित होने कहा गया।

उदयपुर फाइल्स फिल्म के खिलाफ कार्रवाई और फिल्म पर रोक की हो रही मांग

भानुप्रतापपुर। हम मुस्लिम समाज एवं रजा यूनिटी फाउंडेशन, उदयपुर फाइल्स फिल्म में नबी-ए-पाक (क), इस्लाम, मस्जिदों, मदरसों और मुस्लिम धार्मिक गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक और विवादित सामग्री के प्रति गहरी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि यह फिल्म उन्नमा और धार्मिक विद्वानों को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया कि नबी-ए-पाक (क) की शान में गुस्ताखी फिल्म में पैगंबर मुहम्मद (क) के प्रति अपमानजनक सामग्री अस्वीकार्य है, इस्लाम का गलत चित्रण, इस्लाम जो शांति और भाईचारे का धर्म है, उसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, मस्जिदों और दरात निशानाकर उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई है, उन्नमा और धार्मिक विद्वानों को बदनाम करने का प्रयास किया गया है, यह फिल्म एक समुदाय को निशाना बनाकर सामाजिक एकता को कमजोर करती है, उदयपुर फाइल्स की रिलीज और प्रदर्शन पर तुरंत रोक लगाई जाए, फिल्म के निर्माता और निर्देशक की सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्देश दिया जाए, ऐसी सामग्री के प्रचार-प्रसार में मीडिया को जिम्मेदार रवैया अपनाने का निर्देश दिया जाए, समाज के सभी वर्गों से शांति और एकता बनाए रखने की अपील की जाए।

इरेचुवा मार्ग का हाल खस्ता, कीचड़, गड्ढे और फिसलन से राहगीर हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चारामा

विकास की बातें भले ही कागजों में गूंज रही हों, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बंया कर रही है। ग्राम पंचायत ढेड़कोहका के आश्रित ग्राम इरेचुवा को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग विगत कई वर्षों से जर्जर अवस्था में पड़ा है, जिससे ग्रामीणों की दैनिक जिंदगी दूभर हो गई है। ढेड़कोहका से इरेचुवा तक कीचड़, गड्ढे और फिसलन से भरे इस कच्चे रास्ते से लोगों का निकलना बेहद जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग का उपयोग प्रतिदिन सैकड़ों लोग करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं। बच्चों को स्कूल जाते समय कई बार कीचड़ में गिरना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें वापस घर लौटना पड़ता है। वहीं गांव के बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को भी आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जर्जर मार्ग के कारण एम्बुलेंस और संजीवनी वाहन गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बीमार लोगों को खाट में लादकर मुख्य मार्ग तक लाना पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि वे इस गंभीर समस्या को लेकर कलेक्टर से लेकर जनप्रतिनिधियों तक कई बार ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। हाल ही में सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान भी ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा साझा किया था, परंतु वहां भी केवल आश्वासन ही मिला। अब ग्रामीणों का सब्र जवाब दे रहा है। उनका स्पष्ट कहना है कि अगर प्रशासन ने जल्द ही इस मार्ग की मरम्मत कर पक्की सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की तो वे नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को प्राथमिकता देते हैं या फिर ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ता है। इस दौरान जनपद सदस्य अमिता बंजारे, सरपंच शोहद्रा ठाकुर, देवेंद्र कुमार दर्रो, देवबती विश्वकर्मा, दुलेश्वरी मरकाम, मुन्ना गावड़े, खेमन्त कोडोपी, लालजी सलाम, लोकेश सलाम, गजेंद्र गावड़े, कमलेश गावड़े एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

धौराभाठा बालक आश्रम में छात्राओं ने निभाई सामाजिक सहभागिता की भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

- रायपुर विश्वविद्यालय की छात्राएं जीपीडीपी प्रोजेक्ट के तहत पहुंचीं धौराभाठा

नरहरपुर विकासखंड अंतर्गत स्थित बालक आश्रम धौराभाठा में एक सराहनीय और मानवीय पहल के अंतर्गत पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की समाजशास्त्र विषय की छात्राओं ने जीपीडीपी थीम प्रोजेक्ट के तहत सामाजिक जागरूकता और सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रोजेक्ट में शामिल छात्राएं सुरभि चंद्राकर, शिक्षा और कल्याणी ने गांवों में जाकर एक विस्तृत सर्वेक्षण किया। इस सर्वे का उद्देश्य न केवल ग्रामीणों की समस्याओं को जानना था, बल्कि उन समस्याओं की जड़ों तक पहुंचकर समाधान की संभावनाओं को समझना भी था। छात्राओं ने स्थानीय जनसमुदाय के साथ सीधा संवाद कर ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और बुनियादी समस्याओं की पहचान की। इसके साथ ही उन्होंने पंचायत की प्राथमिकताओं को भी समझा और ग्रामीणों के दृष्टिकोण से विकास की रूपरेखा को गहराई से देखा। इस सर्वे के बाद छात्राओं ने बालक आश्रम धौराभाठा का दौरा किया, जहां उन्होंने छोटे-छोटे बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनमें आत्मविश्वास व उल्लास भरने का प्रयास किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को स्टील की थालियाँ, गिलास, चॉकलेट, बिस्किट और अन्य उपहार वितरित किए। बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान इस बात की साक्षी थी कि इस प्रकार के छोटे लेकिन मानवीय प्रयास कितनी बड़ी प्रसन्नता दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान आश्रम के शिक्षकगण, पूर्व सरपंच महेश नेताम तथा अनेक स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने छात्राओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा पीढ़ी शिक्षा के साथ समाज सेवा को अपनाती है, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में वास्तविक पहल होती है। महेश नेताम ने कहा, यह बहुत ही प्रेरणादायी है कि विश्वविद्यालय की छात्राएं कक्षा की सीमाओं से बाहर निकल कर ग्रामीण समाज से जुड़ने की कोशिश कर रही हैं। यह उनकी सोच, समझ और सेवा-भावना को दर्शाता है।

छात्राओं ने इस अवसर पर बताया कि उनके द्वारा तैयार की जा रही जीपीडीपी प्रोजेक्ट रिपोर्ट में ग्राम के हर वर्ग के लोगों की राय, उनके सुझाव, उनकी समस्याएं शिक्षा की कमी, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सुविधाओं की अनुपलब्धता, जल-संकट, स्वच्छता, बच्चों की पोषण संबंधी समस्याएं और महिलाओं की सामाजिक स्थिति को पूरी गंभीरता से सम्मिलित किया गया है। रिपोर्ट को विश्वविद्यालय और संबंधित योजनाकार संस्थाओं के पास प्रस्तुत कर वास्तविक विकास कार्यों की पहल के लिए अनुशंसा की जाएगी।

विश्व जनसंख्या दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

कांकेर। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी सीबीएसई स्कूल में 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर हायर सेकेण्डरी के छात्र-छात्राओं द्वारा नाटक के माध्यम से अत्यधिक जनसंख्या तथा जागरुकता के महत्व पर शैक्षणिक एवं आकर्षक संदेश दिया। छात्रों को बढ़ती जनसंख्या और उससे जुड़े वैश्विक मुद्दों के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक प्रकार के नाट्य कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रेरणादायक भाषण से हुई, जिसे कक्षा नवमीं एवं बाहरवीं के छात्राओं ने प्रस्तुत किया। बताया गया कि किस प्रकार जनसंख्या वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है, बेरोजगारी, प्रदूषण और शिक्षा जैसी समस्याओं को जन्म देती है। छात्र-छात्राओं ने सभी को यह संदेश दिया कि हमें संसाधनों का समझदारी से उपयोग करना चाहिए और जागरूक नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए। इसके बाद कक्षा ग्याहरवी के छात्रों द्वारा हमारा ग्रह हमारी जिम्मेदारी नामक एक नाटक की प्रस्तुति दी गई। इस नाटक में एक सामान्य परिवार की कहानी दिखाई गई जो अत्यधिक जनसंख्या वाले शहर में जीवन की कठिनाइयों जैसे जल, संकट, बेरोजगारी, कचरा प्रबंधन और शिक्षा से जूझ रहा था। प्राचार्य रश्मि रजक ने छात्र-छात्रों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को वैश्विक समस्याओं की समझ देने के साथ-साथ उन्हे समाधान की दिशा में सोचने की प्रेरणा भी देते हैं। कार्यक्रम का समापन छात्रों द्वारा एक संकल्प लेने के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के प्रसार में योगदान देने का वादा किया। इस कार्यक्रम के मार्गदर्शक शिक्षक सनिल कुमार पाडा, प्रीति झा, रूबी खान, पवित्र बढ़ाई, शिखा मेहरा, रीया सोनी, असीस उत्थानसिंह, निशा जयसवाल उपस्थित रहे।

रिसेवाड़ा में हुआ माता पहुंचानी पर्व

कांकेर। विकास खंड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रिसेवाड़ा में माता पहुंचानी 11 जुलाई को मां शीतला की पूजा-अर्चना की गई। शीतला मंदिर से माता को लाकर समस्त ग्राम में बाजा गाजा डांग डोली भ्रमण कराया गया। माता की पूजा अर्चना की गई 7 माता के दिए आशीर्वाद, जिससे माता दर्शन दिया था उनकी जुड़वा उसके लिए मां शीतला द्वारा सभी देवी स्थल में जाकर पूजा पाठ किया गया। इसमें समस्त माताएं बच्चे ग्राम के सभी सियान सम्मिलित हुए। यह जानकारी ग्राम के पूर्व उप सरपंच सुरेश पटेल ने दिया।

चारामा जूनियर क्रिकेट लीग में धमतरी बाइसंस टीम बनी विजेता

चारामा। क्रिकेट संगठन चारामा द्वारा आयोजित चारामा जूनियर क्रिकेट लीग 2025 का समापन हुआ। समापन मैच के फायनल में धमतरी बाइसंस ने भानुप्रतापपुर राइनोज को बेहद ही रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। आयोजित लीट के फायलन मुकाबले में धमतरी बाइसंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 138 रन का लक्ष्य खड़ा किया, जिसमें काव्य चंद्राकर ने बेहतरीन 50 रन की पारी खेली। इसके जवाब में भानुप्रतापपुर राइनोज ने पूरी कोशिश की, लेकिन टीम 137 रन पर सिमट गई। भानुप्रतापपुर की ओर से अनिकेत और आशीष ने शानदार 30-30 रन की पारियाँ खेलीं। धमतरी की ओर से भूषण यादव ने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विजेता टीम धमतरी बाइसन को 10000 रुपएं एवं उप विजेता टीम भानुप्रतापपुर राइनोज को 5000 रूपएं संगठन द्वारा दिया गया। टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को निक्की स्पोर्ट्स द्वारा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट निखिल देवांगन, बेस्ट बैट्समैन काव्य चंद्राकर, बेस्ट बॉलर आशीष शर्मा, बेस्ट विकेट कीपर काव्य चंद्राकर, बेस्ट फील्डर दोमेश देवांगन को दिया गया। इस अवसर पर चारामा क्रिकेट संगठन के अध्यक्ष अंकित शर्मा ने टूर्नामेंट की सफलता पर खुशी व्यक्त किया और सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

शाउमावि भीरागांव की रासेयो इकाई ने किया पौधारोपण

चारामा। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के तत्वाधान में एक पेड़ मां के नाम प्रधानमंत्री की माहिती योजना का क्रियान्वयन किया गया। इस वृहद पौधा रोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएसबी कमांडेड महेंद्र ठाकुर कि उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न फलदार पौधे आम, अमरूद, जामुन, कटहल, बहेड़ा, काजू और आवला के साथ अन्य 300 पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने पौधों के महत्व व जीवन में इसकी उपयोगिता को बताया। साथ ही संस्था के प्राचार्य एनएस गांवरे ने पौधों की महत्व व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को विस्तार से जानकारी दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन एनएसएस प्रभारी लकेश साहू के मार्गदर्शन में हुआ।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

शासकीय कामकाज को सुगम, पारदर्शी बनाने में डिजिटलीकरण कारगर साबित होगा : निलेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- ई-ऑफिस का क्रियान्वयन व तकनीकी पहलुओं से अवगत कराने दिया गया प्रशिक्षण

राज्य सरकार द्वारा शासकीय कामकाज को अधिक सुगम, पारदर्शी एवं आधुनिक तथा डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में नवाचार करते हुए ई-ऑफिस के द्वारा राज्य के सभी विभागों में ऑनलाईन कार्य किए जाने हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने कहा कि शासकीय कामकाज को सुगम, पारदर्शी व डिजिटल क्रांति लाने राज्य शासन की पहल बेहतर है। प्रशिक्षण में सभी बारीकि से जानकारी लेकर सरकार के पहल को सफल बनाएं। जिले में ई-ऑफिस का प्रशिक्षण जिला पंचायत के सभा कक्ष में 11 जुलाई को आयोजित किया गया। ई-ऑफिस के संबंध में राज्य स्तर के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर्स ने ई-ऑफिस के अंतर्गत ई-फाइल की वेबसाइट में शासकीय पत्राचार के ऑटोमेशन के बारे में जानकारी दिया गया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से डैशबोर्ड, कन्टेन व्यू, रिसीट, क्रिएट, सेन्ट, इनबॉक्स के अलावा पीडीएफ अटैचमेंट, लेटर फारवर्डिंग, इनिशियालाइजिंग, एडिटिंग, नोटशीट क्रिएशन सहित विभिन्न प्रकार की तकनीकी एवं व्यावहारिक क्रियान्वयन प्रशिक्षण के माध्यम से दिया। इसके अलावा ई-ऑफिस का ऑनबोर्डिंग फार्मेट तैयार करना और एनआईसी द्वारा तैयार किए गए ई-मेल आईडी का उपयोग किए जाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र की दूसरी पाली में दोपहर 3 बजे से पीआईएमएस मॉड्यूल ट्रेनिंग के बारे में मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा विस्तार से बताया गया। विदित हो कि निकट भविष्य में सभी शासकीय कार्यालयों में पेपरलेस वर्किंग कल्चर को बढ़ावा देने तथा कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस लागू किया जा रहा है। इससे सभी विभागों को शासकीय कार्यों को निष्पादित करने में सुगमता होगी।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा, नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर आस्था बोरकर और रानू मैथ्यूज सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं शासकीय कार्यालयों के डाटा एंट्री ऑपरेटर व संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

online Booking:-www.tripuryatra.com
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्लीपर मात्र 18,500/-
15 दिन
चार धाम यात्रा
श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री
श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश
श्री त्रियुगीनारायण-(भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह स्थल)
श्री तुंगनाथ महादेव- (विश्व का सर्वोच्च शिव मंदिर-चंद्रशिला चोटी के पास)
14 अगस्त, 4 सितंबर, 15 सितंबर, 22 सितंबर, 27 सितंबर, 3 अक्टूबर 2025
अन्य दर्शन- काशीविश्वनाथ, पंच प्रयाग दर्शन, (विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग, देवप्रयाग) माना गांव-भारत का अंतिम गांव, धारी देवी, चोपता
राशि:-स्लीपर-18,500/-, 3 एसी- 25,500/-, 2 एसी- 30,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411